of structural defects suppressed' wherein it has been reported that major structural defects have been found in three prestigious housing schemes of the Delhi Development Authority but the authority has suppressed a confidential report submitted in this regard;

(b) which are the schemes of DDA where survey was conducted to find out the structural defects and who conducted the survey;

(c) what are the findings of the survey team; and

(d) what steps have been taken to remove the defects and to take action against the contractors and the Engineers of D.D.A.?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF WORKS AND HOUSING (SHRI MOHAMMED USMAN ARIF) : (a) Yes Sir. The DDA has denied that there has been any attempt on its part to suppress the report.

(b) and (c) The DDA has reported that during the course of technical examination of one the DDA projects under construction, the Chief Engineer (Quality Control) mentioned in his report that at three locations there was likelihood of over stressing of the structural members and the Superintending Surveyor of Works (Planning), DDA was asked to recheck the Calculations and to devise suitable measures to strengthen these members in case over stressing was indicated. It has further reported that buildings according to the architectural scheme concerned are under construction in Greater Kailash, Kalkaji Extension and Pritampura. In his report, the Chief Engineer (Quality Control) mentioned the three possible locations of over stressing :—

(i) At the edge of the wall supporting the overhanging room on the third floors.

(ii) Brick masonry RCC columns on the second and third floors.

(iii) A brick masonry wall on the ground floor.

(d) The DDA has reported that the design calculations were rechecked by the Superintending Surveyor of Works (Planning) and that, according to his report, the stresses at these locations are within the permissible limits laid down in the Indian Standard Code. It has also reported that, as an extra measure of safety, the brick masonry wall under the overhanging room on the third floor is being extended so as to fully support the room on the third floor and to avoid any overhang.

दाल तथा तिलहनों का उत्पादन

5422. **श्रीमती कृष्णा साही** : क्या कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में दालों तथा तिलहनों की कुल उत्पादन क्षमता कितनी है और यह वास्तविक उत्पादन का कितने प्रतिशत है;

(ख) देश में उन राज्यों के नाम क्या हैं जिनमें दालों तथा तिलहनों का उत्पादन होता है;

(ग) क्या देश में दालों के कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत उत्पादन बिहार राज्य में होता है;

(घ) क्या प्रधान मन्त्री के 20-सूत्री कार्यक्रम को ध्यान में रखकर सरकार ने उन सभी राज्यों का सर्वेक्षण किया है जहां प्रचुर मात्रा में दालों का उत्पादन करने की क्षमता है; और

(ङ) यदि हां, तो क्या दाल के उत्पादन के लिए सरकार का विचार एक राष्ट्रीय योजना बनाने का है ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री योगेन्द्र मकवाना) : (क) कुल कृषि उत्पादन क्षमता

जिसमें दालों और तिलहनों का योगदान केवल एक भाग के रूप में होता है, भूमि और जल संसाधनों के उपयोग की मात्रा और विभिन्न आदानों तथा उनके उत्पादन की प्रौद्योगिकी पर निर्भर करती है। वर्ष 1981-82 में दालों का वास्तविक उत्पादन 114 लाख मीटरी टन तथा तिलहनों का 121 लाख मीटरी टन था।

(ख) लगभग सारे देश में दालों और तिलहनों का उत्पादन होता है।

(ग) देश में दालों के कुल उत्पादन का लगभग 6 प्रतिशत बिहार में होता है।

(घ) और (ङ) प्रधान मन्त्री के 20-सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत दिये गए बल को ध्यान में रखते हुए सारे देश में, विशेषकर विभिन्न राज्यों में अभिज्ञात किए गए अधिक संभावव्यता वाले क्षेत्रों में तिलहनों और दालों के उत्पादन में तेजी लाने के लिए उपाय किए गए हैं। दालों का उत्पादन बढ़ाने के लिए किए जा रहे उपायों में ये शामिल हैं:—

(1) सिंचित खेती की पद्धतियों में दालों की खेती शुरू करना;

(2) निम्नलिखित के अन्तर्गत अतिरिक्त क्षेत्र लाना:—

(क) रबी के मौसम की शेष आर्द्रता का उपयोग करके चावल की परती जमीन में उड़द, मूंग आदि की अल्प अवधि वाली किस्मों के अन्तर्गत; तथा

(ख) गर्मी के मौसम में तिलहन, गन्ना, आलू और गेहूं के बाद सिंचाई करके मूंग की अल्प अवधि किस्मों की खेती के अन्तर्गत।

(3) सुधरी दालों के बीजों में वृद्धि करना और उसका उपयोग करना तथा बीजों के मिनी किटों का वितरण करना।

(4) वनस्पति संरक्षण उपायों को अपनाना तथा फास्फेट युक्त उर्वरकों और रिजोबियल कल्चर आदि का उपयोग करना।

चीनी का आयात, निर्यात और उत्पादन

5423. **श्री सत्य नारायण जटिया : क्या खाद्य और** नागरिक पूर्ति मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1977-78 से 1982-83 की अवधि के दौरान प्रति वर्ष देशवार कितनी मात्रा में और कितने मूल्य की चीनी का आयात और निर्यात किया गया; और

(ख) वर्ष 1983-84 के दौरान चीनी का अनुमानित कितना उत्पादन होगा?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मन्त्रालय के राज्य मन्त्री (श्री भागवत झा आजाद): (क) एक विवरण संलग्न है जिसमें 1977-78 से 1982-83 तक की अवधि के दौरान निर्यात/आयात की गई चीनी की मात्रा और मूल्य का ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है।

(ख) चीनी वर्ष 1983-84 (अक्तूबर से सितम्बर) के लिए चीनी के उत्पादन का अभी कोई अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी। चीनी वर्ष 1982-83 (अक्तूबर से सितम्बर) में 75-80 लाख मीटरी टन चीनी का उत्पादन होने का अनुमान है।